**प्रेस विज्ञप्ति**

# गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
# पन्तनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

## समेटी–उत्तराखण्ड, प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रशिक्षण 'ग्रामीण युवाओं हेतु स्वरोजगारपरक कुटीर उद्योग' का आयोजन

पंतनगर 22 जुलाई 2023। संस्थान द्वारा 'ग्रामीण युवाओं हेतु स्वरोजगारपरक कुटीर उद्योग' प्रशिक्षण का आयोजन जुलाई 19–22, 2023 तक किया गया। प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर निदेशक प्रसार शिक्षा डा. जे.पी. जायसवाल ने प्रतिभागियों से कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कुटीर उद्योग अपनाकर ग्रामीण युवा अपने आय में कई गुना वृद्धि कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हस्तशिल्प, दुग्ध उत्पाद, सोयाबीन प्रसंस्करण, मोटे अनाजों का मूल्यवर्धन, मोमबत्ती बनाना इत्यादि कुछ ऐसे उद्यम है, जिसे ग्रामीण युवा लघु स्तर पर प्रारम्भ कर स्वरोजगार की राह चुन सकते हैं। उन्होंने विशेष रूप से प्रशिक्षण में सीखे गये विषयों को अपनाने एवं अन्य कृषकों को भी जानकारी साझा करने की अपील की। डा. बी.डी. सिंह, प्राध्यापक (सस्य विज्ञान) एवं समेटी समन्वयक ने प्रतिभागियों का स्वागत करने के साथ–साथ समेटी द्वारा सम्पादित किये जाने वाले विभिन्न कार्यक्रम, विभिन्न प्रशिक्षणों की रूप–रेखा इत्यादि के बारे में विस्तार से चर्चा किये। पूरे प्रशिक्षण के दौरान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कुटीर उद्योग–परिचय एवं खाद्य परिरक्षण :स्वरोजगार हेतु प्रभावी विकल्प, औद्यानिकी के क्षेत्र में कुटीर उद्योग के लिए प्रसंस्करण तकनीक, एपण कला एवं कुटीर स्तर पर मोमबत्ती बनाने की विधियाँ, हस्तशिल्प द्वारा रोजगार एवं सतत् विकास की राह, महिलाओं के लिए उपयोगी कृषि यंत्र, मुर्गे का अचार–एक लाभकारी व्यवसाय एवं अन्य दुग्ध उत्पादों का मूल्यवर्धन, मत्स्य पालन–परिचय एवं मत्स्य प्रसंस्करण से आय संवर्धन, मोटे अनाजों का महत्व/मूल्यवर्धन, प्रयोग एवं बेकरी उत्पाद, सोयाबीन प्रसंस्करण तकनीक, सोया पनीर, ओकारा एवं सोयाबीन के पौष्टिक एवं स्वादिष्ट व्यंजन, अल्प लागत से औद्यानिक फसलों की कटाई के उपरान्त प्रबन्धन, कुटीर उद्योग–विपणन प्रबन्धन एवं मोटे अनाजों की वैज्ञानिक खेती इत्यादि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के तृतीय दिवस प्रायोगिक कक्षा लगाकर प्रतिभागियों को मंडुवा के बिस्किट, नमकीन एवं सोयाबीन का हलुवा, सोयामिल्क, सोयाबीन के नानपारे बनाने की विधि का प्रदर्शन कर सिखाया गया। इसी क्रम में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में मिर्च, करेला के अचार एवं टमाटर की प्यूरी, चटनी इत्यादि बनाने का प्रदर्शन कर सिखाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने अपने संदेश में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु बधाई दी और उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह प्रशिक्षण पर्वतीय क्षेत्रों के कृषकों हेतु कारगर साबित होगा और आयोजकों को इसके लिए धन्यवाद दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनपद–नैनीताल, ऊधमसिंह नगर, अल्मोड़ा एवं पौड़ी गढ़वाल के प्रसार कार्यकर्ता एवं कृषकों द्वारा भाग लिया गया।

*प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण–पत्र प्रदान करते निदेशक प्रसार शिक्षा डा. जे.पी. जायसवाल।*